



कीवी दबदबा कायन द्यने बांग्लादेश वापसी के लिए उतरेगा

● न्यूजीलैंड ने मेजबान पाकिस्तानी धरती पर वनडे मैचों में लगातार चार जीत दर्ज की है

रावलपिंडी, बार्ता।

आईसीसी वैंपियर्स ट्रॉफी 2025 में सोमवार का होने वाले प्रयास काल में न्यूजीलैंड की टीम जहां दून्होंमें अपनी जीत की लाय कायम करने उत्तरी वहाँ बांग्लादेश पिछले मैच में भारत से मिली करारी ही बाद वापसी करने में मौदान में उतरेगा। न्यूजीलैंड ने मेजबान पाकिस्तानी धरती पर एक दिवसीय मुकाबलों में दबदबा बरपा रखते हुए लगातार चार जीत दर्ज की है और वह आगे मैच को लेकर उत्साहित है। अब देखना होगा कि टूर्नामेंट में भारत से मिली करारी की हार के बाद बांग्लादेश वापसी कर पायेगा कि न्यूजीलैंड अपना दबदबा कायम रखता है। बांग्लादेश पिछले मैच के तीहों हाफ्टों धरती के ध्यान में रखते हुए निराशाजनक प्रश्न से उबरकर एक बार फिर से अपने अधियान को शुरू करना चाहे। वहीं

न्यूजीलैंड

ने विल यंग और टांग लैथम की अगुआई में सोनदार बल्लेबाजी की है। मैट हेनरी और चिल ओंस रूके की अगुआई में उनकी गेंदबाजी इकाई ने लगातार अच्छा बल्लेबाजी की क्रमजार बल्लेबाजी का फायदा उठाने का प्रयास करेंगे। बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाजों फॉर्म में न होना उनके लिए प्रश्नों का सवाल बना हाँ है भारत के खिलाफ दोनों बल्लेबाज पारवर्ष में ही आउट हो गए, जिससे मध्यक्रम की शुरूआत ही हो गई। न्यूजीलैंड के मजबूत गेंदबाजी अजाका के खिलाफ उन्हें एक और हार से बचने के लिए बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

वहीं न्यूजीलैंड के लिए गेंदबाजी के उत्तरोने पिछले चार मैचों में 215 रन बनाए हैं और इस दौरान तीन बार नाबाद रहे हैं।

उनके विस्तृतक, बल्लेबाजी और शनदार क्षेत्रक्षण उड़े खेल बदलने वाली खिलाड़ी बनती है। वहीं गेंदबाजी की बात की जाये तो मैट हेनरी पिछले दो सालों में पाक की पिचों पर 15 विकेट चकाका है जोकि किसी भी अन्य विदेशी गेंदबाज से अधिक है। उनके बहुत उम्मीद होती है। बल्लेबाजी की बात की जाये तो विल यंग ने बांग्लादेश के खिलाफ आठ पारियों में 50 से अधिक को अंतर से 360 रन बनाए हैं और उनकी पौजूरा को देखते हुए बांग्लादेश को जिसे बढ़ सकती है। ऐसा माना जा रहा है कि न्यूजीलैंड की जीत संभालनाएं बहुत

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

+

अब बिहार पर नज़र

सोमवार, 24 फरवरी 2025

बिहार के मुख्यमंत्रियों की लिस्ट

- मोहम्मद यूनुस मुस्लिम इंडिपेंडेंट पार्टी
- कृष्ण सिंह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
- कृष्ण सिंह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
- दीप नारायण सिंह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
- बिनोदानंद ज्ञा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
- कृष्ण वल्लभ सहाय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
- जगन्नाथ मिश्र भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
- कर्पूरी गकुर जनता पार्टी
- रामसुंदर दास जनता पार्टी
- लालू प्रसाद यादव जनता दल
- राबड़ी देवी जनता दल
- नीतीश कुमार समता पार्टी
- राबड़ी देवी राष्ट्रीय जनता दल
- नीतीश कुमार जनता दल (यूनाइटेड)
- नीतीश कुमार जनता दल (यूनाइटेड)



बिहार की राजनीति

चुनाव से पहले मोदी का नास्तएस्ट्रोक!

पटना। बिहार में विधानसभा चुनाव सिर पर हैं ऐसे में मोदी कुछ बढ़ा कर सकते हैं। मोदी की नजर कहीं ना कहीं नीतीश को पूरा तरह से अपने कानून करने की होगी, ज्योतिक उन्नीश कुमार कई बार पालां बदल चुके हैं ऐसे में कहीं ना कहीं मोदी के लिए चुनी जाए है कि NDA को कुछ भी करके मजबूत रखा जाए।

बिहार को 11 साल में क्या मिला?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 11 सालों से देश के प्रधानमंत्री हैं, लेकिन बिहार को विशेष राज्य का दर्जा, प्रति वर्ष 20 करोड़ रोजगार,

बिहार को विशेष पैकेज, 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करना, महंगाई पर नियंत्रण जैसे वादे अभी तक अधूरे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि भागलपुर, खण्डिया और मुजफ्फरपुर से हवाई जहाज उड़ाने का वादा अब तक क्यों पूरा नहीं हुआ? बिहार में उड़ान लगाने का वादा भी क्यों पूरा नहीं हुआ?

इन जिलों को सीधा साधी भाजपा

किसान सभी जिलों के होते हैं जो अन उपजाते हैं। यह इलाका



बागेश्वर धाम भी करेगा बिहार में मदद



बिहार दौरे से पहले पीएम बागेश्वर धाम पहुंचे ऐसे में बिहार चुनाव से पहले यहां जाना कहीं ना कहीं भागा दौरा का फायदा लेना हो सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को सभी प्रदेशों के दो दिवसीय दौरे पर हैं। वह छत्तीसगढ़

पहुंच चुके हैं, जहां उन्होंने बागेश्वर धाम बालाजी मंदिर में पूजा-अर्चना की। पीएम मोदी ने यहां बनने जा रहे बालाजी सरकार केंसर इंस्टिट्यूट का शिलान्यास किया और एक जनसभा को सबोधित किया।

मोदी-नीतीश की वार्ता पर नज़र

दिल्ली की जीत के तुरंत बाद पीएम मोदी व सीएम नीतीश के बीच मुलाकात के कई बिंदु हो सकते हैं। बिहार चुनाव इनकी प्राथमिकता में होगा, अन्यान्य जीते हुए अधार तो बनने जा रहे हैं और मुलाकात के बीच चर्चा होगी।

- बक्स बोड संसाधन बिल की दशा और दिशा पर हो सकती है चर्चा।
- जातीय जनगणना एक बड़ा मुद्दा हो सकता है।
- बिहार चुनाव और चुनावी चेतावनी पर खुल कर होगी बात।
- बिहार चुनाव के लिए सीटों को हिस्सदारी और दोनों के दित को देखते सीटों को चिन्हित करने पर हुई बात।
- दोनों दोनों साथी दलों के बारे में भी बात करेंगे और सार्वजनिक मंच पर बोलने से बचने के लिए भी बात हुई।
- उत्तर बिहार और दक्षिण बिहार को साधने के लिए भी नए सिरे से बात हो सकती है। जदयू नेतृत्व ने उत्तर बिहार को लेकर पहले से ही काम करना शुरू कर दिया है।
- बिहार के लिए चुनावी घोषणा से संदर्भ में भी बातचीत हो सकती है।

मांझी बने पहेली, नाराजगी के बाट अब पीएम मोदी के प्रति समर्पण

जीतनराम मांझी की इमेज बेबाक राजनीति की है। बद बेबाकी से अपनी बात रखने के लिए जाने जाते हैं, लेकिन अब पहले नाराजगी और फिर अब पूर्ण समर्पण जाना के बाद यह चर्चा छिड़ गई है कि क्या वह मांझी के बेबाक बोल देने वाले जाएंगे?

बिहार चुनाव से पहले गांगनिंग

पूर्ण सुख्यमंत्री जीतनराम मांझी को दोनों दलों के बारे में भी बात करेंगे और सार्वजनिक मंच पर बोलने से बचने के लिए भी बात हो सकती है।

पार्टी की पॉलिटिक्स बिहार को देंती ही रही है।

मांझी की पार्टी विधानसभा चुनाव में 40 सीटों के लिए दावेदारी कर रही है, लेकिन नीतीश कुमार की अगुवाई वाली जनता दल (एनडीए) और बीजेपी जैसी बड़ी पार्टी की सीटों में बढ़ावा प्रदान कर रही है। इन्होंने मिल पाना मुश्किल ही माना जा रहा है। ऐसे में मांझी के हालिया तेवरों का अधिक से अधिक सीटें पाने के लिए प्रेरणा पॉलिटिक्स के तौर पर भी देखा जा रहा है।

चिराग पासवान का बढ़ा प्रगति

जीतनराम मांझी के तेवरों के पीछे एक बज़ह के चिराग पासवान का गठबंधन में बढ़ावा प्रभाव भी बताया जा रहा है। चिराग पासवान और जीतनराम मांझी, दोनों ही विलय पॉलिटिक्स का चेहरा हैं। बिहार की सियासत में जातीय फैक्टर भी भूमिका निभाते हैं व मांझी मुसहर जाति से आते हैं जो मदाविला के कैटेगरी में आती है व चिराग की पासवान विलय वर्ग में।

मांझी पर भारी एलजीपीआर

जीतनराम मांझी की पार्टी पर चिराग की एलजीपीआर भारी पड़ती रही है। पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव की ही बात करें, तो मांझी की हिंदूस्तानी अवाम मांझी (लाकार्डिक) को चुनाव लड़ने के लिए केवल एक सीट मिली थी, सीट जहां से खुद जीतनराम मांझी सामंसर हैं। वहां, चिराग की पार्टी के हिस्से पांच सीटें आई थीं। इसके अलावा बिहार से से सठ झारखंड में

भी मांझी की पार्टी खाली हाथ रह गई थीं, जबकि चिराग की पार्टी वहां भी गठबंधन के तहत चुनाव लड़ने के लिए एक सीट लेने में सफल रही है।

दिल्ली में भी चिराग की पार्टी को सीट पर चुनाव लड़ रही है। एक सीट पर चुनाव लड़ रही है। जीतनराम मांझी की कोशिश अपने बड़े संघर्ष सुनने को बिहार की पॉलिटिक्स में स्थानित करने की है। इसमें सबसे बड़ी चुनावी दलित पॉलिटिक्स की पिच पर उनके लिए अलावा बिहार से सठ झारखंड में

प्रथांत किशोर भी दिखा रहे दम

चुनाव रणनीतिकर से जीतनराम पीके 2 अक्टूबर को जनसुरक्षा विभाग की सभी 243 विधानसभा सीटों पर उम्मीदवार उत्तरोपरी। पीके ने योग्य भवन में महाला संवाद कार्यक्रम के द्वारा चुनाव को लेकर अपना सफारी कर दिया है। ऐसे

में अब बात इसे लेकर भी हो रही है कि सूख की हाल से दम पर हो सकते हैं। उम्मीदवार उत्तरोपरी को जनसुरक्षा विभाग की राजनीतिक दल बनाने के लिए प्रयत्न कर रही है। महागठबंधन में विलय और कहां-कहां चोट करेगा?

शाहीय व दाम-धब्बों के लिए अधूरा प्रयाप असर केवल 7 दिनों में गोरेपन की क्रीम

Fair Snow Cream & Soap For Men & Women

• वेहेट का सांवलापन
• अँडों के काले धेरें
• झाँईयां या झुर्रियाँ
• मुहासूसों के निशान

Customer Care No. +91-9756686426

साल बचाएं, डिएनेट के, सीधे प्रेश CMS & ED

(एलोप्रेशिंग में समानित विकिसक वर्णों के लिए रेजिस्ट्रेशन करायें।)

DPT, BPT, MPT, DMFT, BMLT X-RAY Tech, Ultra Sound Technician OT, Lab Tech, DNYS, BNYS YOGA Dental Machanic, Dental Hygiene BA, MA, BSc, MSc, B.Com, M.Com, BBA, MBA BCA, MCA, B.Ed, BPED, MPED, LLB, BSW, MSWE ANM, GNM, BSc Nursing & Many More Courses.

ज्ञान समस्याएं योग समस्याओं के विशेषज्ञ

पुराने से पुराने योग के मरीज एक बार अवश्य मिले।

डा. सम्राट

नशमुक्ति, शराब, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा तम्बाकू, प्रोक्सीवॉन कैप्सूल अफीम, चरस, डोडे पोस्ट इंजेक्शन व अन्य नशा छुड़ाने का स्थायी इलाज।

नावल्टी सिनेमा चौक मुजफ्फरनगर (यू.पी.)

M-9412211108

स्पेशल देशी दवाईयों द्वारा पक्का इलाज

अध्यकर बवासीर भयानक से भयानक है, काफी इलाज करा चुके हैं परेशान हैं। फॉरेन सम्पर्क गवासीर जड़ से खल्ता विकास करने के लिए उत्तरोपरी को लेकर आए हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले का भी मांझी ने स्वागत किया था, समर्थन किया था उत्तर आए थे।

जब खरबे आपै नौजान लें। www.shahtimesnews.com

स्पेशल देशी दवाईयों द्वारा पक्का इलाज

अध्यकर बवासीर भयानक से भयानक है, काफी इलाज करा चुके हैं परेशान हैं। फॉरेन सम्पर्क गवासीर जड़ से खल्ता विकास करने के लिए उत्तरोपरी को लेकर आए हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले का भी मांझी ने स्वागत किया था, समर्थन किया था उत्तर आए थे।

फोन नं- 9756686426